नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या (उ0प्र0)

माननीय कुलपति डॉ0 जीत सिंह संधू के कार्यकाल में कार्यों का विवरण :

शिक्षा :

शैक्षणिक उपलब्धियॉ :

- विश्वविद्यालय में प्रथम बार छात्र–छात्राओं ने काफी संख्या में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की : शैक्षणिक सुधार के प्रयास का प्रतिफल है कि इस वर्ष विश्वविद्यालय के 39 परास्नातक छात्रों ने सहायक प्राध्यापक पद के लिये आवश्यक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में सफलता अर्जित की है जबकि पिछले वर्ष 21 छात्र–छात्राओं ने यह परीक्षा उत्तीर्ण की थी।
- राष्ट्रीय शोध संस्थानों से प्रथम बार अनुबन्ध : विद्यार्थियों के शोध हेतु देश के विभिन्न उत्कृष्ट राष्ट्रीय शोध संस्थानों से अनुबन्ध किया गया है जिससे कि उच्च कोटि की अनुसंधान सुविधायें शोध विद्यार्थियों को मिलेगी। सी0आई0एस0एच0, रहमान खेड़ा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, आई0एम0डी0, लखनऊ, पतंजलि हरिद्वार एवं लीची अनुसंधान संस्थान मुज्फरपुर, बिहार के साथ अनुबंध किये गये हैं।
- नव निर्मित कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ में नये शिक्षकों की नियुक्ति एवं शिक्षण कार्य का शुभारम्भ : दिनांक 04 अगस्त, 2018 को कृषि महाविद्यालय (परिसर) आजमगढ़ में शैक्षणिक वर्ष 2018–19 में शिक्षण कार्य माननीय कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा उद्घाटन कराया गया। इसके साथ ही साथ नये शिक्षकों के नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी एवं नवनियुक्त शिक्षकों द्वारा योगदान भी कर लिया गया है।
- पंचम डीन कमेटी की सिफारिसें : पंचम डीन कमेटी की सिफारिसों के अनुसार पाठ्यक्रम को सभी महाविद्यालयों में लागू कर दिया गया है।
- प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण : विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्टेट ऑफ आर्ट स्तर की प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है जिसका लाभ छात्र–छात्राओं एवं वैज्ञानिकों को मिलेगा।
- विद्यार्थियों को ऑन फार्म प्रायोगिक ज्ञान : विद्यार्थियों को ऑन फार्म प्रायोगिक ज्ञान की दृष्टि से प्रक्षेत्रों पर सीधे ले जाकर उनके ज्ञान को अद्यतन किये जाने का सफल प्रयास किया गया है।

- विश्वविद्यालय परिसर एवं छात्रावासों की स्वच्छता में गुणत्मक सुधार : विश्वविद्यालय परिसर एवं छात्रावासों की स्वच्छता तथा अन्य सुविधाओं में गुणात्मक परिवर्तन किया गया है। आवश्यकतानुसार कुड़ेदान लगाये गये हैं एवं प्रतिदिन ट्रैक्टर के माध्यम से कुड़े हटवाये जा रहे हैं।
- विद्यार्थियों का स्वास्थ्य बीमा : ग्रुप हेल्थ ऐंश्योरेंस के अन्तर्गत समस्त विद्यार्थियों को स्वास्थ्य बीमा करवा जा रहा है।
- छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति : स्नातक स्तर पर सरकार की नीतियों के अनुसार 70 प्रतिशत से अधिक पात्र छात्र/छात्राओं को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा छात्रवृत्ति एवं शुल्क की प्रतिपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2016–17 के सभी पात्र 1407 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियों का भुगतान किया जा चुका है। विश्वविद्यालय मेरिट छात्रवृत्ति के अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा नेशनल टैलेन्ट छात्रवृत्ति 34, इंस्पायर छात्रवृत्ति 07, राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप 04 व उत्तर प्रदेश मण्डी परिषद छात्रवृत्ति 50 विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही है।
- पुस्तकालय का सुदृढ़ीकरण : दशकों से बन्द शोध पत्रिकाओं, जनरल्स, किताबों को मंगाने की व्यवस्था की गयी। पुस्तकालय खुलवाने के समय में वृद्धि की जा रही है जिससे विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के अध्ययन के लिए ज्यादा समय मिल सके।

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये व्याख्यान :

- डा0 कुलदीप सिंह, निदेशक, एन0बी0पी0जी0आर0–आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा प्लाण्ट जेनेटिक रिर्सोस विषय पर व्याख्यान दिनांक 07 जनवरी, 2019 को दिया गया जिसमें भारी संख्या में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- डा0 गुरिन्दर जीत रन्धावा, प्रधान वैज्ञानिक, एन0बी0पी0जी0आर0– आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा जीनोमिक्स विषय पर ब्याख्यान दिनांक 11 जनवरी, 2019 को दिया गया ब्याख्यान में उपस्थित छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नालाजिकल टूल्स, जीनोमिक्स एवं टिशूकल्चर आदि पर वृहद चर्चा की।
- डा0 सुरेश पाल, निदेशक, एन0आई0ए0पी0, नई दिल्ली द्वारा किसानो की आमदनी को दोगुनी करने के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया एवं सुझाव दिया।

- डा0 रविन्द्र बाबू, पूर्व निदेशक, आई0आई0आर0आर0, हैदराबाद ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया एवं धान में वेराइटल डवलेपमेन्ट पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान की पुरनी प्रजातियों के रिफाइनमेन्ट एवं उत्पादकता बढ़ाने का सुझाव दिया गया।
- डा0 सतेन्द्र यादव, लखनऊ द्वारा विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान पालतू पशुओं के प्रबन्ध एवं फसल अवशेषों के उचित प्रबन्धन पर व्याख्यान दिया गया। इस समय की ज्वलन्त समस्या आवारा पशुओं एवं फसल अवशेष को जलाये जाने की है जिसके समाधान के लिए कुछ सुझाव दिये।
- डा0 विभा आहूजा, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान बायोटेक्नाली विभाग द्वारा आयोजित "स्टेट लेबल बायोसेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप" में व्याख्यान दिया गया।

शैक्षणिक प्रयास :

- संकाय की नियमित बैठकें : शैक्षिक गतिविधियों के आंकलन व मूल्यांकन के लिए संकाय बैठकों का संचालन समय से किया गया। नियमित अन्तराल पर विद्वत परिषद, वित्त उप समिति एवं प्रबन्ध परिषद, शोध एवं प्रसार सलाहकार समिति तथा संकाय की बैठकें आयोजित किये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में गुणात्मक परिवर्तन हुआ है। देश के अन्य शोध संस्थानों से अनुबन्ध किया गया है कि हम अपने विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शोध के लिये इन संस्थानों से शोध छात्रों का आदान–प्रदान करेगें।
- दिनांक 20 फरवरी, 2018 को पदभार ग्रहण करने के बाद एक वर्ष में कुल 07 प्रबन्ध परिषद की बैठकें सम्पन्न हुई है जबकि पिछले वर्ष 04 बैठकें हुई थी।
- दिनांक 20 फरवरी, 2018 के बाद कुल 10 विद्वत परिषद की बैठकें सम्पन्न हुई है जबकि पिछले वर्ष कुल 07 बैठकें हुई थी।
- नवीन डिप्लोमा कोर्सेस : देश के अन्य प्रमुख संस्थानों व विश्वविद्यालयों की भांति विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में कौशल विकास की दृष्टि से **(I)** वेटरनरी फार्मेसी एवं **(II)** लाइवस्टाक एक्सटेन्शन विषयों में डिप्लोमा कोर्स प्रारम्भ करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। जो छात्र बी0वी0एस0सी0 कोर्स नहीं कर पाते बीच में ही किसी कारणवश छोड़ देते हैं वह छात्र इसमें प्रवेश ले सकते हैं।

- दीक्षान्त समारोह : विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह नियमित तिथि पर दिनांक 06 सितम्बर, 2018 को कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय के सभा कक्ष में प्रथम बार कराया गया जिसको सम्पन्न कराने में पिछले वर्षों की अपेक्षा रू0 9.20 लाख कम व्यय हुआ।
- विद्यार्थियों की उपस्थिति : कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति 90 प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये हैं।

राष्ट्रीय पर्वों व जयंतियों का आयोजन : विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्वों व जयंतियों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

- ✓ अम्बेडकर जयन्ती : दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय के आडिटोरियम में आयोजित अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- ✓ विश्व मधुमक्खी दिवस : दिनांक 20 मई, 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, पांती जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में विश्व मधुमक्खी दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- ✓ किसान कल्याण दिवस : दिनांक 02 मई, 2018 को किसान कल्याण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय के आडिटोरियम में एक दिवसीय सेमिनार का किया गया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी में किसान कल्याण दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित सेमिनार जिसमें माननीय उप मुख्यमंत्री श्रीयुत् केशव प्रसाद मौर्य जी मुख्य अतिथि थे में अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- ✓ अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस : दिनांक 20–21 जून, 2018 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन प्रागंण में आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।
- ✓ स्वतंत्रता दिवस का आयोजन : दिनांक 15 अगस्त, 2018 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रागंण में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त महोदय के साथ ध्वाजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं इस अवसर पर वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं केन्द्रों पर दस हजार पौध रोपित किये गये।

- ✓ शिक्षक दिवस का आयोजन : डा0 पंजाब सिंह, पूर्व महानिदेशक,आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली एवं डा0 पी0एल0 गौतम, पूर्व कुलपति ने 05 सितम्बर, 2018 को शिक्षक दिवस के अवसर पर पशु पालन महाविद्यालय के आडिटोरियम में व्याख्यान दिये जिसमें छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों द्वारा भारी संख्या में प्रतिभाग किया गया।
- ✓ राष्ट्रीय एकता दिवस एवं आचार्य नरेन्द्र देव जी की जयंती का आयोजन : दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस/लौह पुरूष श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल तथा आचार्य नरेन्द्र देव जी की विश्वविद्यालय में आयोजित जयन्ती कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
- ✓ गणतंत्र दिवस का आयोजन : दिनांक 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के प्रागंण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांइटिफिक मीटिंग, सेमिनार एवं सिम्पोजियम का आयोजन :

- "स्टेट लेबल बायोसेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप" विषय पर : दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में कराया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डा0 विभा आहूजा
- डॉयग्नास्टिक सर्वे ट्रेनिंग वर्कशाप विषय पर : दिनांक 08 मई, 2018 को बिल एण्ड मिलिण्डा गेट्स फाउन्डेशन द्वारा संचालित परियोजना द सेन्ट्रल सिस्टम इनिसिएटिव फार साउथ एशिया के सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए आयोजन विश्वविद्यालय में कराया गया।
- बागवानी प्रशिक्षण विषय पर : दिनांक 24 मई, 2018 को प्रसार निदेशालय में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों से चयनित प्रगतिशील कृषकों के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया।
- किसानों के लिए कृषि रसायनों का सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग तथा एकीकृत नाशीजीव प्रबनधन का अभिग्रहण विषय पर : दिनांक 18 अगस्त, 2018 को विश्वविद्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण जिसमें डा0 सॉई दास, मुख्य प्रशिक्षण समन्वयक, एच0आई0एल0 एवं डा0 ए0के0 सिंह, पूर्व महाप्रबन्धक, एन0एस0सी अतिथि के रूप में रहे आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- कृषक आय संवर्धन में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका विषय पर : दिनांक 18 अगस्त, 2018 को विश्वविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला जिसमें डा0 सॉई दास, मुख्य प्रशिक्षण समन्वयक, एच0आई0एल0 एवं डा0 ए0के0 सिंह, पूर्व महाप्रबन्धक, एन0एस0सी अतिथि के रूप में रहे कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- एक दिवसीय वर्कशाप : दिनांक 03 नवम्बर, 2018 को अर्न्तराष्ट्रीय चावल शोध संस्थान, फिलीपिन्स के वैज्ञानिकों के सहयोग से विश्वविद्यालय में एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया गया।
- **New Horizons in Animal Health and Production : Opportunities for Doubling Farmers Income** विषय पर : दिनांक 28 नवम्बर से 29 नवम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय में पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन माननीय कृषि मंत्री श्रीयुत् सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा किया गया।
- जैविक खेती विषय पर : दिनांक 08 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में किसानों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- संगन्ध पौध एवं मसाला विषय पर : दिनांक 28 जनवरी, 2019 को उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय में संचालित मिशन इन्ट्रीगेटेड डेवलपमेन्ट ऑफ हार्टिकल्चर परियोजना के अन्तर्गत 100 किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **Recent Tools and Techniques to Enhance Productivity for Sustainable Rural Developments** विषय पर : दिनांक 19 से 20 फरवरी, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन आर0के0वी0वाई परियोजना के तहत पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा किया गया।

शोध **(Research)** :

- धान के शोध कार्य में तेजी तथा नवीनतम तकनीकी : चावल अनुसंधान के लिये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना तथा जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 04 करोड़ रूपये की परियोजना स्वीकृत की गयी है, जिसमें रूपया 01 करोड़ धनराशि अवमुक्त कर दिया गया है।

- सीड हब की स्थापना : दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा गुणवत्तायुक्त किस्मों के विकास की दृष्टि से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा रू0 1.50 करोड़ धनराशि से सीड हब की स्थापना की की जा रही है जिसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों को मिलेगा।
- नवीन विकसित प्रजातियॉ : विगत् तीन वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की दस प्रजायिॉ विकसित की गयी है जिसमें धान की प्रजातियॉ आई.आर. 64–सब–1, नरेन्द्र धान 9930111, अलसी की प्रजाति नरेन्द्र अलसी–4, जई की प्रजाति नरेन्द्र जई–1101, जूट की प्रजातियॉ ND JC -2011, ND JC-2013 , धनिया की प्रजाति नरेन्द्र धनिया 2 एवं हल्दी की प्रजातियॉ नरेन्द्र हल्दी 98 एवं नरेन्द्र सरयू हल्दी विकसित की गयी है जो किसानों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं, जिसका उत्पादन कर किसान असमान्य परिस्थितियों में भी भरपूर लाभ ले रहे हैं।
- शोध कार्यों का सुदृढीकरण :: शोध कार्यों दृष्टि से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अर्न्तगत कुल 29 करोड़ 17 लाख रूपये धनराशि की 04 महत्वाकांक्षी परियोजनायें कृषि शोध तथा प्रक्षेत्रों के सुदृढ़िकरण के लिये स्वीकृत कराने में सफलता प्राप्त हुयी है जो निम्नवत हैं :

1. **Strengthening of 07 KVKs** **Amount Rs. 20.00 Crore**
2. **Strengthening of Veterinary Polyclinic.** **Amount Rs. 4.96 Crore**
3. **Establishment of Frozen Semen Bank for Indigenous Livestock.** **Amount Rs. 01.81 Crore**
4. **Establishment of Feed & Fodder Quality Analysis Laboratory.** **Amount Rs. 02.40 Crore**

- अत्याधुनिक बीज परिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना : विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक बीज परिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना हेतु कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा रू0 1.24 करोड़ धनराशि की एक परियोजना स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।
- शोध को नई दिशा देने के लिए राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय शोध संस्थानों से अनुबन्ध : विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय शोध संस्थानों जिनमें अर्न्तराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) फिलीपिन्स व (CIMMYT) शामिल हैं के साथ अनुबन्ध कर शोध को नई दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है।
- **STRASA :** अर्न्तराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, मनीला फिलीपिन्स के सहयोग से बाढ़, सूखा एवं ऊसर भूमि में धान की उत्पादकता बढ़ाने के लिए जलवायु के अनुकूल नई प्रजातियों का विकास एवं पोषण तत्व प्रबन्धन हेतु कार्य किये जा रहे हैं।

बन्द ए0आई0सी0आर0पी0 परियोजनाओं को पुनः चालू किये जाने का प्रयास :

- Renewal of All India Coordinated Research Projects (AICRPs) which were discontinued-

1. AICRP on Pigeon Pea
2. AICRP on Rapeseed- Mustard
3. AICRP on Weed Management
4. AICRP on Jute and Allied Fibres
5. AICRP on linseed
6. AICRP on Tuber Crops

नयी ए0आई0सी0आर0पी0 परियोजनाओं को विश्वविद्यालय में लाने का प्रयास :

- Request for sanction of new All India Coordinated Research Projects (AICRPs)-
  1. AICRP on Salt-affected Soils and Use of Saline Water in Agriculture.
  2. AICRP on Micro and Secondary Nutrients and Pollutant Elements in Soil and Plants.
  3. AICRP on Small Millets
  4. AICRP on Arid Legumes
  5. AICRP on Nematodes
  6. AICRP on Sugarcane
  7. AINP on Organic Farming
  8. AICRP on Farm Implements and Machinery

➢ **Ad-hoc** रिसर्च प्रोजेक्ट : एक वर्ष के कार्यकाल में कुल 45 शोध परियोजनाओं को विभिन्न वित्त पोषित संस्थाओं में जमा कराया गया जिनमें से उपकार में 25, यू0पी0सी0एस0टी0 में 10, एम0आई0डी0एच0 में 02, आई0सी0ए0आर0 में 02, नार्बाड में 01 एवं आर0के0वी0वाई0 में 05 परियोजनाओं को वित्तीय सहयोग हेतु जमा किया गया।

- **Research Projects Received** : उपरोक्त में से 05 परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

S.No.	Name of Project	Name of PI
1.	**Centre of Excellence in Rice (State Govt.)**	**Dr. A.K. Singh, Assoc. Prof. (Crop Physiology)**
2.	**Frozen Cemen Bank for Indigenous Live –Stock (RKVY)**	**Dr. Sushant Srivastava, Prof. (Vety.College)**
3.	**Strengthening of Veterinary Clinical Complex (RKVY)**	**Dr. V.K. Singh, Prof. (Vety.College)**
4.	**Establishment of Model Seed Testing Lab Under Quality Control Component of Sub-Mission on Seeds and Planting Materials. (Ministry of Agril. & Farmers' Welfare, GOI)**	**Dr. R.D.S. Yadav, Prof. (GPB)**
5.	**Establishment of Feed Analysis and Quality Control Laboratory (RKVY)**	**Dr. Sushant Srivastava, Prof. (Vety.College)**

➢ अत्याधुनिक मौसम वेधशाला की स्थापना : भारतीय मौसम विभाग के साथ हुये अनुबन्ध के बाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित मौसम वेधशाला का सुदृढ़ीकरण किया गया है एवं फसल अनुसंधान केन्द्र बहराईच में अत्याधुनिक मौसम वेधशाला की स्थापना की जा रही है जो हमारे शोध कार्यों के लिए सहायक होगी जिससे किसानों को समय से मौसम की जानकारी प्रदान करायी जा सकेगी।

- सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर पोटैटो की स्थापना : पूर्वी उत्तर प्रदेश में आलू के शोध कार्य में तेजी तथा नवीनतम तकनीकी के दृष्टिगत पूर्वांचल में आलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार पोटैटो परियोजना उत्तर प्रदेश शासन से स्वीकृत हेतु प्रस्तावित है।
- प्रक्षेत्रों पर फसल उत्पादन की शस्य क्रियाओं का कैलेण्डर तैयार कर बुआई व कटाई : प्रक्षेत्रों पर फसल उत्पादन की शस्य क्रियाओं का कैलेण्डर बनाकर बुआई से लेकर कटाई तक की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। इसके सफल परिणामों के चलते वर्ष 2018 में खरीफ फसलों में विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रक्षेत्रों पर धान के उत्पादन में गुणत्मक वृद्धि हुई एवं औसत उपज 04 टन प्रतिहेक्टेयर से ज्यादा प्राप्त हुयी।
- नये प्रक्षेत्र का निर्माण : खेल मैदान के पिछे अनुपयोगी बहुत बडे क्षेत्रफल को कृषि योग्य बना कर विकसित किया गया जिससे वहॉ से अवांछित तत्वों के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश को रोका जा सका एवं एक अच्छे प्रक्षेत्र का निर्माण हो सका।
- बुआई क्षेत्रफल में गुणात्मक वृद्धि : खरीफ 2018 एवं रबी फसलों के क्षेत्रफल में गुणत्मक वृद्धि हुई है। धान एवं गेहु के आलावा अरहर, सरसों, तोरिया, चना, मटर एवं मसूर आदि के क्षेत्रफल में भी गुणत्मक वृद्धि हुई है जिससे कि इन फसलों का बीज भी किसानों को समय से उपलब्ध कराया जा रहा है।
- प्रकाशन : विश्वविद्यालय में पहली बार निम्न पुस्तकों का प्रकाशन कराया गया :–
  1. पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज फॉर फील्ड क्राप्स को कम्पाइल किया जा रहा है।
  2. कम्पेन्डियम ऑफ वेराइटीज : का प्रकाशन किया जा चुका है।
- बीज उत्पादन में गुणत्मक बढ़ोत्तरी : इस वर्ष विश्वविद्यालय कि विभिन्न प्रक्षेत्रों पर बीजों के उत्पादन में पिछले वर्षों की तुलना में दोगुना से ज्यादा बढ़ोत्तरी किये जाने में सफलता प्राप्त हुई है। वर्ष 2017 में खरीफ की फसल में धान के बीज का उत्पादन 2904.94 रहा वहीं वर्ष 2018 में खरीफ की फसल में धान के बीज का उत्पादन 5238.94 क्विंटल रहा जो वर्ष 2017 की तुलना में बीज उत्पादन 2334.00 क्विंटल ज्यादा है जिसका कुल 80.36 प्रतिशत अधिक रहा।
- बीज वितरण कार्यक्रम : दिनांक 03 नवम्बर, 2018 को कृषि महाविद्यालय के आडिटोरियम में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित निकरा परियोजना के अर्न्तगत चिन्हित अमावा छिटन गॉव के किसानों को रबी फसलों के बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रसार :

- कृषि विज्ञान केन्द्रो पर विभिन्न महत्पूर्ण इकाईयों की स्थापना : समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र पर विभिन्न इकाईयॉ जैसे कम्पोस्ट, मधूमक्खी पालन, बकरी यूनिट, अजोला, मशरूम यूनिट की स्थापना की जा रही है।
- कौशल विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत किसानों के लिए प्रथम बार मालीगीरी का प्रशिक्षण : कौशल विकास कार्यक्रम से कृषकों को 25 द्विवसीय मालीगीरी का प्रथम बार प्रशिक्षण सफलता पूर्वक आयोजित किया गया।
- वर्षों से बन्द किसान मेला का पुनः आयोजन : वृहद किसान मेले का आयोजन गत् अप्रैल, 2018 में किया जा चुका है जिसमें भारी संख्या (2000–2500 किसानों) में प्रदेश के किसानो ने प्रतिभाग किया जिसे फसलवार नियमित आयोजित किया जाना है।
    1. दिनांक 05–06 अप्रैल, 2018 को विश्वविद्यालय परिसर में किसान मेला का आयोजन कराया गया जिसका उद्घाटन माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान किया गया एवं समापन माननीय राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान द्वारा किया गया।
    2. दिनांक 07–08 दिसम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला का उद्घाटन माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान द्वारा किया गया इस अवसर पर माननीय सांसद एवं प्रबन्ध परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। माननीय मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर वरिष्ठ शिक्षकों/वैज्ञानिकों एवं अन्य वरिष्ठ जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बैठक में भी किया गया। मेला का समापन श्रीयुत् श्रषिकेश उपाध्याय, माननीय महापौर, अयोध्या द्वारा किया गया एवं माननीय सांसद श्रीयुत् लल्लू सिंह जी उपस्थित रहे।
- नियमित प्रसार सलाहकारी समिति की बैठकें : प्रसार को सुदृढ़ बनाने हेतु प्रसार सलाहकारी समिति की बैठकें नियमित आयोजित कराया जा रहा है।
- फसल अवशेषों का उचित प्रबन्धन : धान की कटाई के उपरान्त हैप्पी सीडर के द्वारा लगभग 100 एकड़ से अधिक गेहूँ की बुआई शैक्षिक प्रक्षेत्र, कृषि विज्ञान केन्द्र मसौधा, हैदरगढ़, कठौरा एवं फसल अनुसंधान केन्द्र मसौधा आदि पर की गयी।

- विश्वविद्यालय में 17 नये वाहनों का क्रय किया जाना : विश्वविद्यालय में वाहन न होने के कारण अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था, जिसको ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में लम्बी अवधि के बाद एक साथ 17 नये वाहन क्रय किये गये। (5 वाहन नये कृषि विज्ञान केन्द्र के लिए, 5 वाहन पुराने कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए एवं 7 वाहन आर0के0वी0वाई0 परियोजना के अनतर्गत प्रचार वाहन के लिए) क्रय करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है।

प्रशासनिक प्रबन्धन :

- नवीन पदों का सृजन एवं नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भः विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों (मात्स्यिकी, गृह विज्ञान, उद्यान एवं वानिकी एवं कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय) में शिक्षकों के 85 नये पद सृजित कराने में सफलता प्राप्त हुई है, जिसका विज्ञापन किया जा चुका है।
- निदेशक शोध एवं निदेशक प्रसार नियुक्त – लम्बी अवधि से दोनो पद रिक्त चल रहे थे, जिस पर नियमित नियुक्ति कर ली गयी है।
- नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों हेतु नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भ :–
- जेम–पोर्टल तथा ई–टेण्डरिंग व्यवस्था लागू किया जाना : शासन के निर्देशानुसार सामानों के क्रय हेतु जेम पोर्टल तथा निविदाओं के लिये ई–टेण्डरिंग की व्यवस्था लागू किया है। विश्वविद्यालय में सभी सामानों का क्रय जैम पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है।
- न्यायिक वादों का निस्तारण : लम्बे समय से बड़ी संख्या (550 से ज्यादा) में लम्बित न्यायिक वादों में से ज्यादातर निस्तारण किया जा चुकें है। सेवा लाभ से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण तीव्रगति से किये जा रहे हैं जिसमें से 35 न्यायिक वादों को निस्तारित किये जा चुके हैं।
- नये न्यायिक वादों का न होना : समय से विश्वविद्यालय कार्मिकों की सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया जा रहा है जिससे कि नये होने वाले न्यायिक वादों में भारी कमी आयी है।
- प्रथम बार डिजीटल तकनीकी का प्रयोग : विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शी तरीके से निस्तारित करने तथा प्रशासनिक वादों में न्यूनता लाने के लिए डिजीटल तकनीक का प्रयोग लाना प्रारम्भ कर दिया है। इसके तहत वित्त नियंत्रक कार्यालय एवं प्रशासनिक कार्यालय के समस्त कर्मियों को एक कम्प्यूटर कोर्स का प्रशिक्षण किया गया।

- नैक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन के बेहतर परिणाम देने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की विस्तृत सेल्फ स्टडी रिर्पोट बना कर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली को जमा कर दी गयी है।

विश्वविद्यालय के वित्तीय संसाधन एवं प्रबंधन :

- कैरियर एडवान्समेन्ट स्कीम : दशकों से शिक्षकों/वैज्ञानिकों का कैरियर एडवान्समेन्ट स्कीम के अन्तर्गत लम्बित प्रोन्नयन को वर्ष 2018 में लागू किया गया जिससे कैरियर एडवान्समेन्ट स्कीम के अर्न्तगत 267 शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों का पदोन्नति किया जा चुका है। पदोन्नति के उपरान्त शिक्षक/वैज्ञानिक नयी जोश के साथ अपने कार्यों में लग गये हैं।
- कर्मियों को ए0सी0पी0 की सुविधा प्रदान किया जाना : वर्षों से लम्बित शिक्षणेत्तर कर्मियों को ए0सी0पी0 की सुविधा प्रदान की गयी है। अब तक 135 शिक्षणेत्तर कर्मियों को इसका लाभ प्रदान किया जा चुका है।
- लम्बे समय से लम्बित सेवा लाभ को निस्तारित किया जाना : सेवानिवृत्त 133 कार्मिकों के पेंशन दावा प्रपत्र पेंशन निदेशालय प्रेषित किया गया, 131 कार्मिकों का सामान्य भविष्य निधि का भुगतान किया गया एवं 154 कार्मिकों का सामूहिक जीवन बीमा का भुगतान कराया गया।
- सेवानिवृत्त कार्मिकों का लम्बित सेवा लाभ : सेवानिवृत्त कार्मिकों के लम्बे समय से लम्बित सेवा लाभ भी नियमानुसार कार्यवाही करने के प्रयास से ज्यादातर निस्तारित किया जा चुका है।
- ऑन लाइन भुगतान : कार्मिकों का वेतन आहरण एवं अन्य भुगतान ऑन लाइन किये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।
- सौर ऊर्जा संयंत्र : विश्वविद्यालय परिसर में शोध व शिक्षण कार्यों के सुचारू रूप से सम्पादन के लिये अबाध एवं सस्ती विद्युत आपूर्ति होती रहे इसके लिये सौर ऊर्जा के बड़े संयत्र की स्थापना का कार्य लगभग पूरा हो गया है। इस संयंत्र के लगने से 750 के0वी0ए0 विद्युत का उत्पादन होगा जिससे लगभग दो करोड़ रूपये की वार्षिक बचत होगी और इस धन को विश्वविद्यालय के सुदृढ़ीकरण में लगाया जा सकेगा।
- वाई–फाई सुविधा : विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं अन्य लोगों की मांग के अनुरूप परिसर को वाई–फाई सुविधा युक्त करने के लिये रिलायंस जियो से समझौता किया गया है जिसके तहत

विश्वविद्यालय द्वारा मात्र भूमि उपलब्ध कराने के फलस्वरूप कम्पनी निःशुल्क वाई–फाई सुविधा परिसर को प्रदान करेगी।

अतिविशिष्ट लोगों का विश्वविद्यालय भ्रमण :

- माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उत्तर प्रदेश सरकार का विश्वविद्यालय भ्रमण किया गया एवं विश्वविद्यालय में आयोजित किसान मेले का उद्घाटन किया गया।
- माननीय राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उत्तर प्रदेश सरकार का विश्वविद्यालय भ्रमण किया गया।
- डा0 पंजाब सिंह, पूर्व निदेशक, आई0सी0ए0आर0 का विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया।
- डा0 पी0एल0 गौतम, पूर्व कुलपति, जी0बी0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर का विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया।
- मंडलायुक्त/उप महानिरीक्षक पुलिस अयोध्या मण्डल का विश्वविद्यालय भ्रमण किया गया।
- डा0 कुलदीप सिंह, निदेशक, एन0पी0पी0जी0आर0, का विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया।
- डा0 वी0एन0 महतो, नेपाल कृषि अनुसंधान परिषद, नेपाल का विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया।
- मानिटरिंग टीमों का विश्वविद्यालय में भ्रमण : विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजनाओं की मानिटरिंग के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार परियोजनाओं की मानिटरिंग करायी जा रही है।
- नैक मूल्यांकन टीम द्वारा विश्वविद्यालय का भ्रमण : डा0 एच0एस0 गुप्ता, पूर्व निदेशक, आई0ए0आर0आई0 ने विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन करने के लिए विश्वविद्यालय में भ्रमण किया।

प्राथमिकतायें एवं प्रयास :

- सातवें वेतनमान का लाभ : विश्वविद्यालय के लगभग 53 प्रतिशत कर्मियों (लगभग 479 कर्मियों) को सातवें वेतन का लाभ दिया जा रहा है एवं अन्य कर्मियों को लाभ दिये जाने का प्रयास चल रहा है। सीमित संसाधनों में शासन द्वारा प्रदत्त ए.सी.पी. जैसे सेवा लाभ कर्मियों को नियमित रूप से प्रदान किये जा रहे हैं।

- नर्सरी का सुदृढ़ीकरण : विश्वविद्यालय की पहचान माने जाने वाले बेल, ऑवला व बेर तथा अन्य फलदार वृक्षों की पौध नर्सरी को इस स्तर तक विस्तार देना कि किसानों व बागवानों की मांग के अनुरूप उन्हें पौध की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके।
- शैक्षणिक गुणवत्ता : शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के रिक्त पदों को भरे जाने के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं।
- निजी स्रोतों से आय में वृद्धि : विश्वविद्यालय की निजी स्रोतों से आय में वृद्धि का प्रयास किया जा रहा है जिससे भविष्य में विश्वविद्यालय अपने संसाधनों के द्वारा आत्मनिर्भर हो सके।
- वृहद वृक्षारोपण : विश्वविद्यालय परिसर में गत स्वतन्त्रा दिवस के अवसर पर लगभग पांच हजार टीक के पौध रोपित किये गये हैं, इसी क्रम में अन्य जनपदों में स्थित केन्द्रों पर भी वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया है जिसका लाभ निश्चित रूप से भविष्य में विश्वविद्यालय को प्राप्त होगा।
- सीमित मानव शक्ति का पूर्ण उपयोग : सीमित मानव शक्ति का पूर्ण उपयोग करने की दृष्टि से कर्मियों को कम्प्यूटर ट्रेनिंग दिलाकर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि करने का प्रयास किया गया है।

वर्षों से लम्बित भवनों का लोकार्पण :

- नवनिर्मित इण्टरनेशनल गेस्ट हाउस का लोकार्पण किया गया।
- कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय का प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया गया।
- पाली क्लीनिक फार स्माल एनिमल : डेयरी प्रक्षेत्र पर पाली क्लीनिक फार स्माल एनिमल का उद्घाटन किया गया।
- लाइव स्टाक फार्म कम्प्लेक्स की कार्यालय भवन का निर्माण : लाइव स्टाक फार्म कम्प्लेक्स की कार्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के करीब है।
- एम0पी0 थियेटर का निर्माण : पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में एक एम0पी0 थियेटर का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है।
- अधूरे निर्माण कार्यों को पूरा कराया जाना : विश्वविद्यालय में अधूरे पड़े भवनों का निर्माण पूरा करा कर अथवा उन्हें उपयोग लायक बना कर विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे को दुदृढ़ करने का प्रयास किया गया है।

- डेयरी का उच्चीकरण :
    - नये जानवरों का क्रय : डेयरी प्रक्षेत्र पर 16 साहीवाल गाय व 8 सॉड नये क्रय किये गये एवं अभी 32 सॉड साहीवाल, गिर एवं थारपारकर ब्रीड के क्रय किये जाने की प्रक्रिया चल रही है।
    - रैन बसेरा का निर्माण : बीमार पशुओं के इलाज को लाने वाले लोगों के रूकने के लिए रैन बसेरा का निर्माण पूर्ण कराया गया।
    - इन्ट्रीगेटेड फार्मिंग सिस्टम : डेयरी प्रक्षेत्र पर इन्ट्रीगेटेड फार्मिंग सिस्टम प्रारम्भ किया गया।
    - अंजोला की यूनिट एवं मोरिगां के पौधों का रोपण : डेयरी प्रक्षेत्र पर अंजोला की यूनिट एवं मोरिगां के काफी पौधे लगाये गये।
    - आर्गेनिक सब्जी का उत्पादन : डेयरी प्रक्षेत्र पर आर्गेनिक लौकी, टमाटर, बैगन एवं पत्तागोभी का उत्पादन किया जा रहा है।
    - वेस्ट–डीकम्पोजर एवं जीवामृत का उत्पादन : डेयरी प्रक्षेत्र पर वेस्ट–डीकम्पोजर एवं जीवामृत का उत्पादन किया जा रहा है।
- आर्दश फल वाटिका की स्थापना : दिनांक 24 अक्टूबर, 2018 को उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय में स्थापित आर्दश फल वाटिका के उद्घाटन किया गया।
- छात्रावासों को अत्याधुनिक सुविधायुक्त बनाया जाना : छात्रावासों को सामान्य सुविधाओं से युक्त व चुस्त–दुरूस्त करने का प्रयास किया जा रहा है।
- अनुपयोगी समानों का ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निस्तारण : प्रक्षेत्रों एवं प्रयोगशालाओं में अनुपयोगी समानों को कन्डमकर ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निस्तारित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।
- सुरक्षा व्यवस्था में सुधार : विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया जिसमें गेट नं0 3 का निर्माण कराया गया एवं जगह जगह पर सी0सी0 टी0वी0 कैमरा लगाया गया। ई–टेण्डरिंग के माध्यम से सुरक्षा एजेन्सी द्वारा विश्वविद्यालय की सुरक्षा सुदृढ किये जाने का प्रयास चल रहा है।
- बेसिक कम्प्यूटर एप्लीकेशन प्रशिक्षण : बेसिक कम्प्यूटर एप्लीकेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशासनिक कार्यालय एवं वित्त नियंत्रक कार्यालय के समस्त कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

- दैनिक श्रमिकों का विनियमितिकरण : लम्बे समय से कार्यरत 44 दैनिक श्रमिकों का विनियमितिकरण किया गया है।
- मृतक आश्रितों को सेवायोजित किया जाना : अनुकम्पा के आधार पर मृतक आश्रितों को सेवायोजित किये जाने का प्रयास अन्तिम चरण में चल रहे हैं जल्द ही सेवायोजित कर दिया जायेगा।
- कृषि महाविद्यालय आजमगढ़ में शैक्षणिक पदों पर चयन : कृषि महाविद्यालय आजमगढ़ में शैक्षणिक पदों पर चयन की प्रक्रिया पूर्ण किया गया।
- आवासों का आवंटन : विश्वविद्यालय परिसर में पिछले कई वर्षो से खाली पडे आवासों का आंवटन किया गया।
- नव निर्मित कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ (परिसर) में शैक्षिक पदों पर नियुक्तिः नव निर्मित कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ (परिसर) में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत शैक्षिक पदों नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर शिक्षकों की नियुक्ति कर दिया गया है।
- निदेशक शोध व निदेशक प्रसार की नियुक्ति : विश्वविद्यालय में निदेशक शोध व निदेशक प्रसार की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति कर दिया गया है।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए वाहनों का क्रय : नव निर्मित कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वाहनों का क्रय कर लिया गया है।